वर्ष 28 अंक 145
पृष्ठ 20+4+4=28
बरेली, रविवार
5 फरवरी 2017
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 5.00

विश्व का सर्वाधिक पढ़ा जाने वाला अखबार

दैनिक जागरण

मजबूत इरादों से पछाड़ दिया लाइलाज कैंसर

जज्बा

- बीमारी से हारे नहीं, लड़े और जीत ली जिंदगी की जंग
- एसआरएमएस मेडिकल कॉलेज में पीड़ितों का दर्द किया साझा

जागरण संवाददाता, बरेली : पांच साल पहले जब पता चला कि कैंसर है, मेरे पैरों के नीचे से जमीन खिसक गई। परिवार पर दुखों का पहाड़ परिवार पर टूट पड़ा था। लगने लगा था कि शायद अब कुछ ही सांसें बाकी हैं। सदमे में था, निराशा छाई हुई थी। मगर उस मुसीबत से निकलने के बारे में जरूर सोचता था। परिवार वालों के मजबूत साथ और डॉक्टरों के सहयोग ने नई जिंदगी की रोशनी दिखाई। बीमारी से जूझा और उसे परास्त कर दिया।

कुछ समय पूर्व कैंसर से जूझ रहे पीड़ितों ने यह बातें श्रीराम मूर्ति स्मारक इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज द्वारा आयोजित सरवाइवर्स मीट के दौरान कहीं। विश्व कैंसर दिवस के मौके पर कैंसर विभाग ने कार्यक्रम आयोजित किया था। इसमें पचास से अधिक मरीजों को बुलाया गया जिन्होंने कैंसर को हराकर एक मिसाल कायम की है। मुख्य अतिथि चेयरमैन देव मूर्ति ने ट्रस्ट द्वारा स्थापित कैंसर अस्पताल में विश्वस्तरीय इलाज की सुविधाओं के बारे में बताया। बोले, अत्याधुनिक सुविधाओं ने मरीजों के ठीक होने की संख्या को बढ़ाया है। इस दौरान आदित्य मूर्ति, रेडियोथेरपी विभागाध्यक्ष डा. पियूष अग्रवाल, डा. अरविंद कुमार चौहान, सुभाष मेहरा, डा. आरसी पुरोहित, डा. एसके हांडा, डा. एचओ अग्रवाल, डा. पवन अग्रवाल डा. पवन कुमार, डा. रितु भूटानी आदि शामिल रहे।

इन्होंने जीती बड़ी जंग

देवकी देवी ने बताया कि उन्हें वर्ष 2011 में बच्चेदानी के कैंसर का पता चला। उमा महेश्वरी ने बताया कि उन्हें भी 2011 में बच्चेदानी का कैंसर होने की जानकारी हुई। गणेश सिंह जीना ने बताया कि उन्हें वर्ष 2012 में ब्लड कैंसर हो गया। इलाज के बाद अब वे सभी ठीक हैं।